Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 12-12-2006
Participants : Patil Shri Shivraj V.,Advani Shri Lal Krishna

an>

Title: Regarding early decision on the mercy petition filed by an accused convicted by Supreme Court in a case relating to terrorists attack on Parliament House.

MR. SPEAKER: Please sit down. I have already called the hon. Leader of the Opposition.

… (*Interruptions*)

श्री लाल कृण आडवाणी (गांधीनगर): अध्यक्ष जी, कल 13 दिसम्बर है और इसी दिन पांच साल पहले संसद पर एक आतंकवादी हमला हुआ था। उन आतंकवादियों के इस मंसूबे कि वे सदन में घुस आएं और यहां आकर कत्लेआम कर सकें। उसे अगर कोई रोक पाया तो वे हमारे सुरक्षाकर्मी थे। जिनमें से नौ ने इस कार्य को करते हुए अपना बलिदान दिया, अपनी जान गवाई। उनमें एक महिला भी थी। मैं आज के अखबारों में देख रहा था कि कल शाम को उनका कहीं पर सम्मान किया गया, उन परिवारों का, जिन्होंने अपना बलिदान देकर संसद की रक्षा की। उसमें उन्होंने कहा कि उस आतंकवादी हमले के लिए, जिन्हें अदालतों ने दोाी पाया, उनमें एक को नीचे की अदालत ने और उच्चतम न्यायालय ने मृत्यु दंड दिया, उसका मामला आज तक लटक रहा है। उन्होंने यह भी घोाित किया कि अगर कल 13 दिसम्बर तक, उनके बारे में फैसला करके, उच्चतम न्यायालय के निर्णय का सम्मान नहीं किया गया तो हमें जो भी सम्मान दिया गया है, कीर्ति चक्र आदि वह हम वापिस कर देंगे। मैं समझता हूं कि इस विाय का नोटिस सरकार को लेना चाहिए और सरकार को इस मामले में, जो भी उसकी राय है, राट्रपति को बताना चाहिये। क्योंकि आखिर तो राट्रपति जी इस मामले में वही करते हैं, जो शासन उन्हें सलाह देती है - He has to, in this regard, act on the aid and advice of the Council of Ministers. Therefore, he has sent all the clemency appeals to the Government of India. The Government owes it to these martyrs and to their families to take a decision by tomorrow. I would urge them through you that in this matter things should not be allowed to drag on. The Supreme Court's judgment against which the clemency appeals have been made is now before the Government. Let the Government take a decision.

MR. SPEAKER: Shri L. Rajagopal.

… (*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Sir, the hon. Leader of the Opposition raised this issue and the Home Minister wants to respond to it.

MR. SPEAKER: Okay.

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय:आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Home Minister wants to respond. Please do not do it. You cannot force me.

श्री गणेश सिंह (सतना): अध्यक्ष महोदय, हमारा बहुत महत्वपूर्ण मामला है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: सभी मामले महत्वपूर्ण है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I request the hon. Leader of the Opposition to please see. I am requesting hon. Leaders on all sides to please cooperate.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: कृपा करआप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except the hon. Home Minister.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have allowed him and he could mention his point without interruptions.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing is recorded. No, I would not allow this. The hon. Leader of the Opposition raised a matter and the Home Minister is responding to it.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded. This is very unfair. Do not record one word of it.

*(Interruptions) ...**

श्री खारबेल स्वाईं (बालासोर): यह पहली बार लोक सभा में चुन कर आए हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: जो दस बार चुन कर आए हैं, उनकी बात थोड़ी सुनिए।

गृह मंत्री (श्री शिवराज वि. पाटील) : श्रीमन्, इस विाय पर सदन में पहले भी चर्चा हुई है और दोनों तरफ से भी इसमें क्या किया जा सकता है, उसका उल्लेख यहां पर हुआ है। आज यह प्रश्न फिर उठाया गया है और यह प्रश्न उठा कर ऐसा कहा गया है कि एक तारीख के पहले यह करना जरूरी है। मैं बड़ी विनम्रता से कहना चाहता हूं कि इस प्रकार से पहले कभी भी नहीं हुआ है।[rep14]

अध्यक्ष महोदय, हमारे पास जो आंकड़े हैं, उन्हें देखने से हमें पता चलता है कि जो केस हमारी सरकार के पास आया था उसे भी पांच साल लगे और इतने साल भी ऐसे केस में लगे, जिस केस में भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी की हत्या हुई। ...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली): उस केस का इससे क्या संबंध है?...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only the statement of the hon. Home Minister will be recorded.

*(Interruptions) ... **

MR. SPEAKER: I request that both sides should have patience.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is very unfair. Nobody's statement will be recorded.

*(Interruptions) ... **

MR. SPEAKER: I am on my legs. Please sit down.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Harin Pathak, hon. Leader of the Opposition has made his full statement when there was no interruption. Now, the hon. Home Minister is responding. You have to have patience to hear him. Please listen to whatever he is going to say.

... (*Interruptions*)

---

* Not recorded

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Shri Advani, before raising the issue, he should have expressed his apologies as to why he could not protect Parliament when he was the Deputy Prime Minister. ... (*Interruptions*)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद): शहीदों के परिवारों के लोग कह रहे हैं कि हमारे सम्मान वापस ले लो। ...(व्यवधान)

[r15]MR. SPEAKER: I will have to adjourn the House. There is no way out.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is a matter which Parliament of India should deal with.

... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : हम तो कोशिश कर रहे हैं।

श्री हरिन पाठक : इंदिरा जी की हत्या हुई, आप रोक नहीं पाए। राजीव गांधी जी की हत्या हुई, आप रोक नहीं पाए। उस समय आपकी सरकार थी।

MR. SPEAKER: I am on my legs. Please sit down.

... (*Interruptions*)

श्री हरिन पाठक : 1962 की फेल्योर के लिए कौन जिम्मेदार है? …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not record anything.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. I am appealing to all the sections of the House.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What are you doing?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded.

*(Interruptions) …**

---

* Not recorded

MR. SPEAKER: Hon. Leader of the Opposition has raised a matter to which I find that the hon. Home Minister is responding. I do not know as to how we can expect - whatever anybody would say - all of us must just agree!

आप मेहरबानी कर के बैठ जाइए। मैं रिक्वैस्ट करता हूं कि आप बैठ जाइए।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let the hon. Minister complete his statement. Have you completed the statement, Mr. Minister?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: We are all dictating to other. Let us not do that. Shri Harin Pathak, do not be so energetic!

I am not allowing anything to be recorded.

*(Interruptions) … **

MR. SPEAKER: Let the House be adjourned. I am sorry. Then, I will delete everything. Shri Harin Pathak, if you do not allow him, I would delete his statement. [r16]

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If anybody, who is speaking, is disturbed in this fashion then I will delete everything that has been said.

… (*Interruptions*)

---

* Not recorded

श्री शिवराज वि. पाटील: इस केस में क्षमायाचना करने की जो अर्जी है, वह कुछ ही दिन पहले दी गई है। वहां से गृह मंत्रालय के पास आई है और यह गृह मंत्रालय का कर्तव्य बनता है कि स्टेट गवर्नमेंट इसके ऊपर क्या कहना चाहती है, वह पूछ लेते हैं, लॉ मिनिस्टर के साथ भी हम बात करते हैं और उसके बाद वह हमारे अध्यक्ष जी को पहुंचाई जाती है और यह सारी प्रक्रिया करने में जो समय लगता है, वह समय ही लिया जा रहा है, ज्यादा नहीं है। इसके साथ-साथ यह भी ध्यान में रखना जरूरी है। इस सदन को तो उस चीज को ध्यान में लेना बहुत जरूरी है कि इस प्रकार की जब एप्लीकेशंस, क्लेमेंशी पिटीशंस आती हैं तो सुप्रीम कोर्ट ने उसमें कहा है कि अगर आप उसको क्षमा करेंगे तो भी सही ढंग से नहीं करेंगे तो भी वे देखेंगे और क्षमा नहीं करेंगे और सही ढंग से नहीं करेंगे तो भी देखेंगे। इस हालत में पूरी तरह से जांच-पड़ताल करके जो कदम उठाना जरूरी है, वही उठाने का हमने यहां पर सदन में एक दफा नहीं, अनेक दफा बताया गया है। इसके बाद भी अगर यह विाय उठाया जा रहा है और किन्हीं बहनों को, हमारे भाईयों को, जिनके घरवालों ने, परिवार के लोगों ने इस सदन की रक्षा की है, हमारी सब की रक्षा की है, उनको कुछ बहकाकर अगर कोई कुछ कर रहा है तो…(व्यवधान) मुझे आशा है कि…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :आप लोग बैठ जाइये। रामकृपाल यादव जी, आप बैठ जाइये।

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :आडवाणी जी, आपका जो नोटिस था, your notice was only about a reference to the incident.

… (*Interruptions*)

श्री लाल कृण आडवाणी :मैं इस मामले पर आपत्ति उठाता हूं कि शहीदों के परिवारों को…(व्यवधान) वे तो यहां तक गये हैं कि वे कहते हैं कि हम अपना सम्मान वापस ले लेंगे और ये कहते हैं कि उनको बहका रहे हैं। मैं क्षमाप्रार्थी हूं, इस वक्तव्य को सुनने के लिए हम लोग तैयार नहीं हैं, हमें क्षमा कीजिएगा। हम सदन से वाक आउट करते हैं।

12.33 hrs.

(Then Shri Lal Krishna Advani and some other hon. Members

Left the House)

MR. SPEAKER: Your notice was only relating to the incident.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है? आप लोगों को क्या दिक्कत हो रही है? आप बैठिये। उनके बारे में होममिनिस्टर ऑफ इंडिया बयान दे रहे हैं और आप लोग उनको इण्टरप्ट करते हो। आप बोलिये।

...(व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: I have not completed it. Let me complete, Sir. … (*Interruptions*) श्रीमन्, हमने किसी का नाम नहीं लिया था कि कौन भड़का रहे हैं, इनका नाम नहीं लिया था, मगर ऐसा लग रहा है कि टोपी बराबर सिर पर बैठ गई है। मैं इस बारे में यह कहना चाहूंगा और हमारी सदन के सारे सदस्यों से और दूसरे हमारे बाहर के भी कुछ साथियों को यह इस्तुदुआ रहेगी और जो अलग प्रकार से बात करते हैं, उनको भी कि इस प्रकार के विाय को उठाकर हमारे समाज को तोड़ने की बात कृपा करके आप मत करिये।

MR. SPEAKER: The notice was only to refer to the incident.

… (*Interruptions*)

श्री शिवराज वि. पाटील: वह अच्छी बात नहीं होगी और इसीलिए हम कहते हैं कि जो कानूनन करने योग्य है, वह करने के लिए सरकार बाध्य होती है और न करने पर कोर्ट ने भी कह दिया है कि हम देख सकते हैं, इसलिए इस बात को बिलावजह उठाना और इस प्रकार से उठाना कि उसमें कोई ऐसी अलग...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर):यहमुद्दा उठाना और सदन से भाग जाना, फेस नहीं करना है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उसे छोड़िये।

श्री शिवराज वि. पाटील: अलग प्रकार के विचार निर्माण हों और डिवाइड हो, वह ठीक बात नहीं है।[R17]

हमारी यह रिक्वेस्ट रहेगी कि इस प्रकार का काम नहीं किया जाए।